हिंदी समाज को अरविंद कुमार का कृतज्ञ होना चाहिए कि उन्हों ने ऐसा अद्भुत कोश बनाया

बरसों से हम हिंदी लेखक फ़ादर कामिल बुल्के के अँगरेजी-हिंदी कोश को ही प्रामाणिक मान कर उस की सहायता लेते रहे हैं. कई बार उस में सटीक पर्याय नहीं भी मिलते, पर कुल मिला कर वह बड़ा मददगार कोश रहा है. इधर अरविंद लिंग्विस्टिक्स प्रा. लि. द्वारा अरविंद वर्ड पावर : इंग्लिश-हिंदी डिक्शनरी नाम से 1360 पृष्ठों का हाथ लगा, जिसे कोश निर्माण में दशकों से लगे पचासी-वर्षीय लेखक संपादक कोशकार अरविंद कुमार ने बिना किसी संस्था की मदद से विशुद्ध स्वाध्याय और श्रद्धानुराग से बनाया है. इस कोश में (वह निश्चय ही अपने ढंग का एक क्लासिक है) 6,70,000 से अधिक शब्द हैं. पर्यायवाची और विपर्यायवाची शब्द भी दोनों भाषाओं में साथ साथ दिए गए हैं. लगभग पचास हज़ार समान और ग्यारह हज़ार प्रतिकूल अवधारणाएँ भी दी गई हैं. कोश भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन और अवधारणाओं को यथास्थान शामिल कर बनाया गया है. और इस अर्थ में भारत-केंद्रित है. यह समावेशिता, वह भी कोश में, मेरे जाने अभूतपूर्व है. यों तो गहरे और लंबे इतिहासबोध से संपन्न नामवर सिंह हर वर्ष पाँच सात पुस्तकों पत्रिकाओं को ऐतिहासिक क़रार देते हैं. पर मेरी राय में, अरविंद कुमार का यह सुशोभित-सुरचित कोश निश्चय ही हमारी भाषा के लिए एक ऐतिहासिक घटना है. हिंदी समाज को अरविंद कुमार का कृतज्ञ होना चाहिए कि उन्हों ने ऐसा अद्भुत कोश बनाया है.

इस कोश का एक उल्लेखनीय पक्ष यह है कि इस में बोलचाल में प्रचलित बोलियों से आए शब्दों को भी जगह दी गई है. ऐसे शब्द भी काफ़ी हैं, जो उर्दू फ़ारसी अरबी, अँगरेजी आदि से आ कर हिंदी में ज़ज्ब हुए हैं. ऐसे किसी भी कोश को एक स्तर पर हिंदी की अद्भुत समावेशिता का संकलन होना चाहिए – यह कोश ऐसा है. उस से यह भी बखूबी प्रकट होता है कि हिंदी का चौगान और हृदय कितना चौड़ा है और कहाँ कहाँ तक फैला है. हिंदी का राजभाषा रूप उसे संकीर्ण और दुर्बोध बनाता रहा है : यह कोश एक तरह से इस का प्रतिरोध करता है. हिंदी के अपने उदार स्वभाव को तथ्य और शब्द-पुष्ट करता है.

हीरोइक पोएट्री के समानार्थी हिंदी शब्द यों दिए गए हैं – आल्हा, कड़खा, कीर्तिगाथा, पँवाड़ा, विरुदावली, वीरगाथ, शूरश्लोक, संघर्षकथा. संदर्भ शब्द – महाकाव्य और युद्धगीत भी.

गॉड शब्द के समानार्थी शब्द हैं – अंतर्यामी, अखिलेश, अल्लाह, अहुरमज्द, ऊपरवाला,. खुदा, गॉड ,जगदीश, जिहोवा, त्रिलोकीनाथ, पतितपावन, परब्रह्म, परमपिता, परमब्रह्म, परमात्मा, परमेश्वर, प्रभु, भगवान, मालिक, रब, विधाता, साहब, स्रष्टा, स्वामी, हक़ताला. हो सकता है कि कहीं कभी आप को कोश से असंतोष हो, पर यह उस की उपलब्धि और महत्व को, उस की उपयोगिता को क़तई घटाता नहीं है, 1360 पृष्ठों के इस कोश का मूल्य सिर्फ़ 595 रुपए है.

पुस्तक नाम: Arvind Word Power: English-Hindi
पेज :1360
प्रकाशक :अरविंद लिंग्विस्टिक्स प्रा. लि., ई-28 (प्रथम तल), कालिंदी कालोनी, नई दिल्ली 110065

मूल्य : 595.00 – स्वागत मूल्य 15% कटौती के बाद 505.00 (कूरियर चार्ज 150.00)
भुगतान – http://arvindlexicon.com/books/word-power-eng-hnd पर क्रैडिट कार्ड द्वारा. – किसी अन्य विधि से भुगतान के लिए ईमेल द्वारा मीता लाल से संपर्ककरेँ:lallmeeta@gmail.com– mobile +91 9810016568